

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री



नई रेलवे
नया पंजाब



(2014 - मई 21)



देश को गति रेल से
प्रगति भी रेल से

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री



सत्यमेव जयते

प्रस्तावना



आशुतोष गंगल
महाप्रबंधक
उत्तर रेलवे

भारतीय रेल राष्ट्र की जीवन–रेखा और भारत की प्रगति तथा आर्थिक विकास की प्रेरक है। भारतीय रेल अपने ग्राहकों को आरामदायक, सुविधाजनक और किफायती परिवहन प्रणाली उपलब्ध करा रही है। भारतीय रेल की संरक्षा, गति सीमा में वृद्धि और दूर–दराज के क्षेत्रों से सम्पर्क स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित करने वाली अनेक बड़ी ढाँचागत परियोजनाएं प्रगति पर हैं। नई रेल लाइनें बिछाई जा रही हैं। दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य पूरी रफ्तार पर हैं। बेहतर और अधिक दक्षता परिणाम लाने के लिए नवीनतम तकनीक, डिजिटलाइजेशन और स्वदेशी उपायों को अपनाया जा रहा है। बेहतर मालभाड़ा व्यापार अवसर सृजित करने के लिए लाँग–हॉल और पीसमील रेलगाड़ियों के परिचालन पर भी बल दिया जा रहा है।

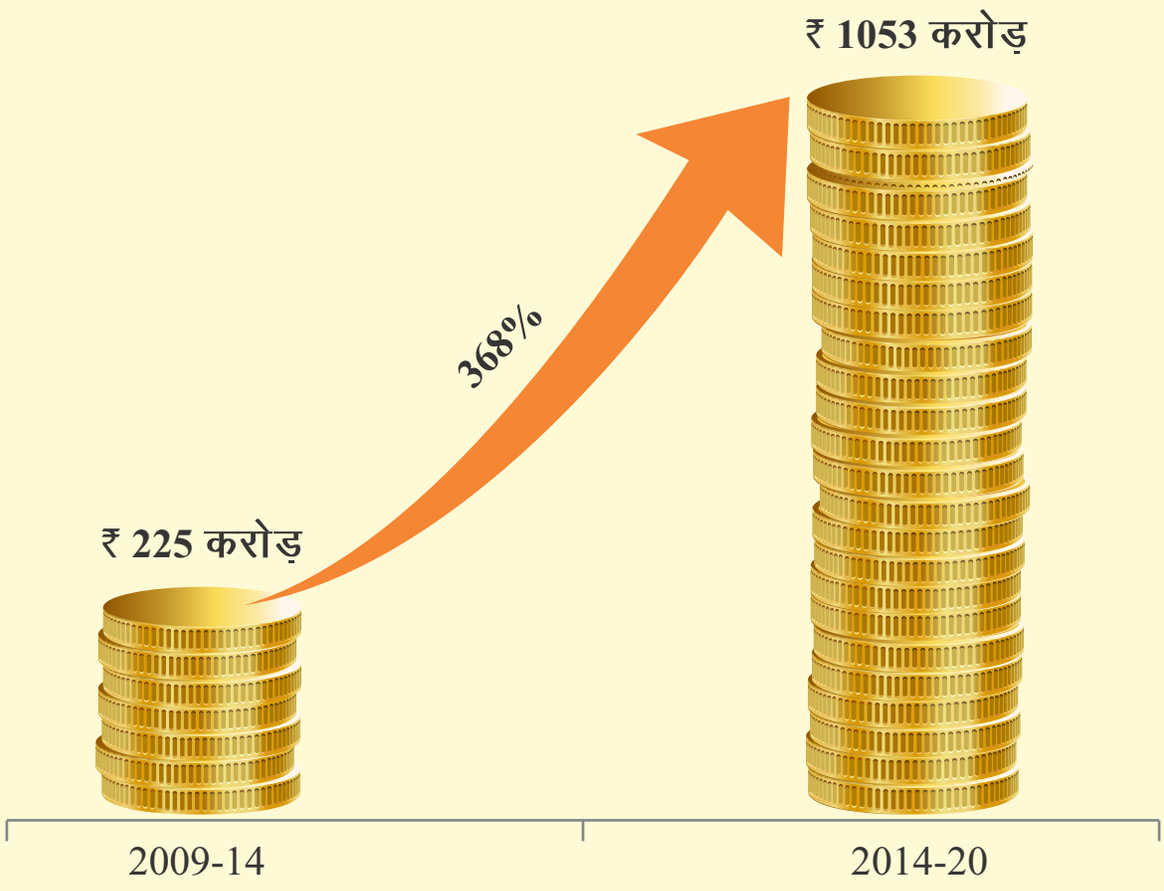
रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी परिवहन क्षेत्र के इस बदलते परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार रखने में निष्ठा से जुटे हुए हैं। इस पुस्तिका का उद्देश्य पिछले कुछ समय से पंजाब में चल रही महत्वपूर्ण गतिविधियों और मौजूदा परियोजनाओं को रेखांकित करना है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवंटित किया गया बजट राज्यवार न दर्शा कर परियोजना की लागत को प्रतिबिंबित करता है।

पूंजीगत निवेश

- वर्ष 2009–14 की अवधि की तुलना में वर्ष 2014–21 के दौरान पंजाब में रेल नेटवर्क पर निवेश 5 गुना से अधिक बढ़ा है

औसत वार्षिक बजट परिव्यय		
2009 - 14	**2014 - 21**	**% वृद्धि**
₹ 225 करोड़	₹ 1053 करोड़	+368%

- पंजाब में रेलवे के औसत वार्षिक परिव्यय में 368% की वृद्धि



आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

2014–21 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

- नई लाइनें और दोहरीकरण परियोजनाऐं
  - मीरथल – भंगाला, ब्यास नदी पर (2 कि.मी.)
  - मौड़ – मैयसर खाना (8 कि.मी.)
  - बुढलाडा – मानसा (16 कि.मी.)
  - मानसा – कोट फतेह (34 कि.मी.)
  - चक्की बैंक – भरोली (3 कि.मी.)
  - जाखल – बुढलाडा (29 कि.मी.)
  - अंबाला छावनी – दप्पर–चंडीगढ़ (45 कि.मी.)
  - जलंधर छावनी – सुच्ची पिंड (3 कि.मी.)
  - कोट फतेह – बठिण्डा (14 कि.मी.)
- खासा, नसराला तथा बद्दोवाल स्टेशनों पर गुड्स शेड की स्थापना



आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

अन्य कार्य प्रगति पर

- लगभग ₹ 3,671 करोड़ की लागत से 202 कि.मी. की 5 नई लाइन परियोजनाएं
  - नंगल डैम – तलवाड़ा (84 कि.मी.)
  - कादियां – ब्यास (40 कि.मी.)
  - रामा मंडी (रमन) – सद्दा सिंहवाला वाया तलवंडी साबो (29 कि.मी.)
  - फिरोजपुर – पट्टी (25 कि.मी.)
  - राजपुरा – मोहाली (24 कि.मी.)
- लगभग ₹ 1,977 करोड़ की लागत से 218 कि.मी. की 4 दोहरीकरण परियोजनाएं
  - अमृतसर – छेहरता (5 कि.मी.)
  - राजपुरा – बठिण्डा (173 कि.मी.)
  - लुधियाना– मुल्लांपुर (21 कि.मी.)
  - लुधियाना – किला रायपुर (19 कि.मी.)



आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

विद्युतीकरण

लाभ

- रेलगाड़ियों की गति में वृद्धि
- पर्यावरण अनुकूल
- ईंधन की बचत और कम ऊर्जा लागत

वर्ष 2014–21 के दौरान

- 92 रुट कि.मी. विद्युतीकरण पूर्ण
- 1159 रुट कि.मी. विद्युतीकृत किया जा रहा
  - 176 रुट कि.मी. का कार्य पूर्ण (104 कि.मी. अमृतसर–भरौली, 72 कि.मी. अमृतसर–तरन तारन–व्यास)



पंजाब में विद्युतीकृत रूट

धुरी – लेहरा मुहब्बत सेक्शन का विद्युतीकरण

- 68 कि.मी. धुरी – लेहरा मुहब्बत सिंगल लाइन सेक्शन का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण
- 120 कि.मी. प्रति घंटे तक का गति परीक्षण पूर्ण

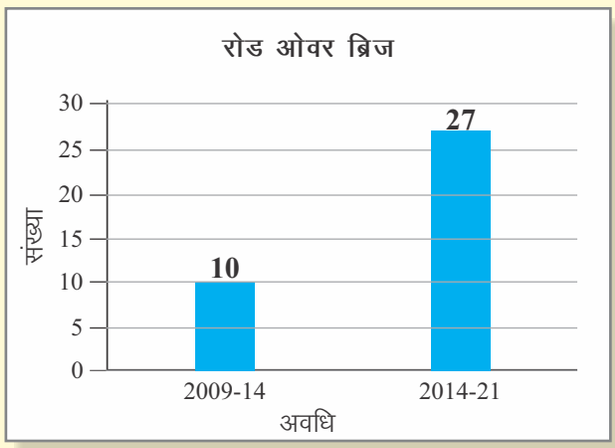


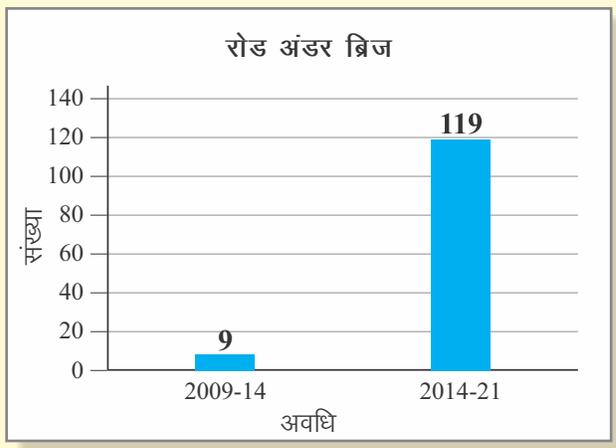
रेल सुरक्षा आयुक्त द्वारा धुरी–लेहरा मुहब्बत सिंगल लाइन खंड का निरीक्षण

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी)

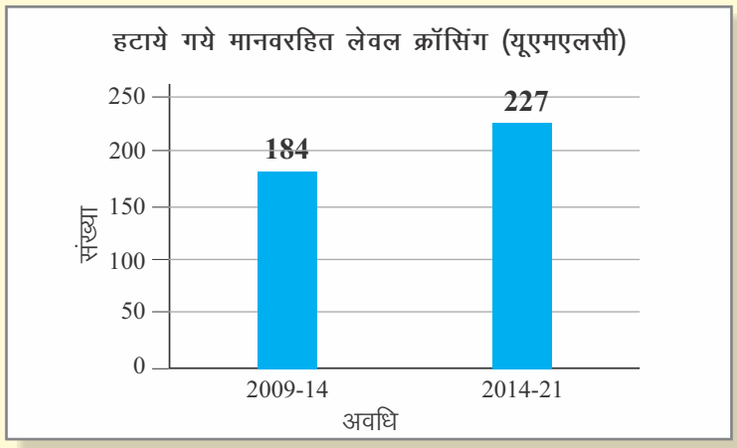
- सड़क यातायात का बाधारहित एवं सुरक्षित आवागमन
- रेलगाड़ियों की गति एवं सुरक्षा में सुधार
- 2009–14 की अवधि में 10 रोड ओवर ब्रिज और 9 रोड अंडर ब्रिज निर्मित किये गये
- 2014–21 की अवधि में 27 रोड ओवर ब्रिज और 119 रोड अंडर ब्रिज निर्मित किये गये





मानवरहित लेवल क्रॉसिंग हटाना

- रेलवे ने मानव रहित लेवल क्रॉसिंग (यूएमएलसी) को हटाने के लिए बड़ा कदम उठाया है जिससे ट्रेन परिचालन में संरक्षा बढ़ी है
- वर्ष 2009–14 के दौरान 184 मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग हटाए गए
- वर्ष 2014–21 के दौरान 227 मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग हटाए गए



क्षमता विस्तार

रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला

अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं वाली भारतीय रेल की एक कोच निर्माण इकाई

- 28,000 से अधिक यात्री डिब्बे निर्मित
  - वातानुकूलित स्लीपर : प्रथम, द्वितीय और 3 टीयर
  - वातानुकूलित चेयर कार : एक्जीक्यूटिव, इकोनॉमी क्लास और डबल डेकर
  - स्व–चालित यात्री वाहन : डीजल इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स (डीईएमयू), मेन लाइन इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स (एमईएमयू)
  - गैर–वातानुकूलित : स्लीपर क्लास, जनरल और लगेज–कम–ब्रेक वैन
  - अन्य : रेफ्रिजरेर्टड पार्सल वैन, निरीक्षण कोच, उच्च क्षमता पार्सल वैन, दुर्घटना राहत ट्रेन, डाकघर कोच, वातानुकूलित बफे कार और वातानुकूलित पावर कार
- तैयार किये गये वातानुकूलित रेक
  - एलएचबी कोच : राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, सेमी हाई स्पीड (160 Kmph) गतिमान, तेजस और बौद्ध सर्किट
  - पारंपरिक कोच : गरीब रथ
  - डबल डेकर कोच : उदय
  - प्रदर्शनी ट्रेन : विज्ञान एक्सप्रेस
- अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक
  - म्यांमार, बांग्लादेश और सेनेगल
- कोविड–19 के बाद कोच में बदलाव
  - पैर चालित नल और वॉश बेसिन पर सोप डिस्पेंसर
  - कम्पार्टमेंट के दरवाजों पर बाजू से चालित हैंडल
  - कॉपर कोटेड हैंडरेल्स और लैच जिनमे एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं



तेजस कोच



डबल डेकर कोच

यात्री सुरक्षा

- सभी बड़े स्टेशनों पर एक्स–रे मशीनें लगाई गई
- मेटल डिटेक्टर के साथ रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों की तैनाती
- अधिक यात्री संख्या वाले स्टेशनों के प्लेटफार्म पर 108 CCTV कैमरे लगाये गये
- महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों के डिब्बों में विस्फोटक की जांच के लिए स्निफर डॉग स्क्वायड की तैनाती
- 2014–21 की अवधि में घर से भागे हुए 246 बच्चों की पहचान कर उन्हें उनके माता–पिता या एनजीओ को सौंपा गया
- त्यौहारों एवं ग्रीष्मकाल के दौरान भीड़–भाड़ के बेहतर प्रबंधन हेतु विशेष व्यवस्थाओं के तहत स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई

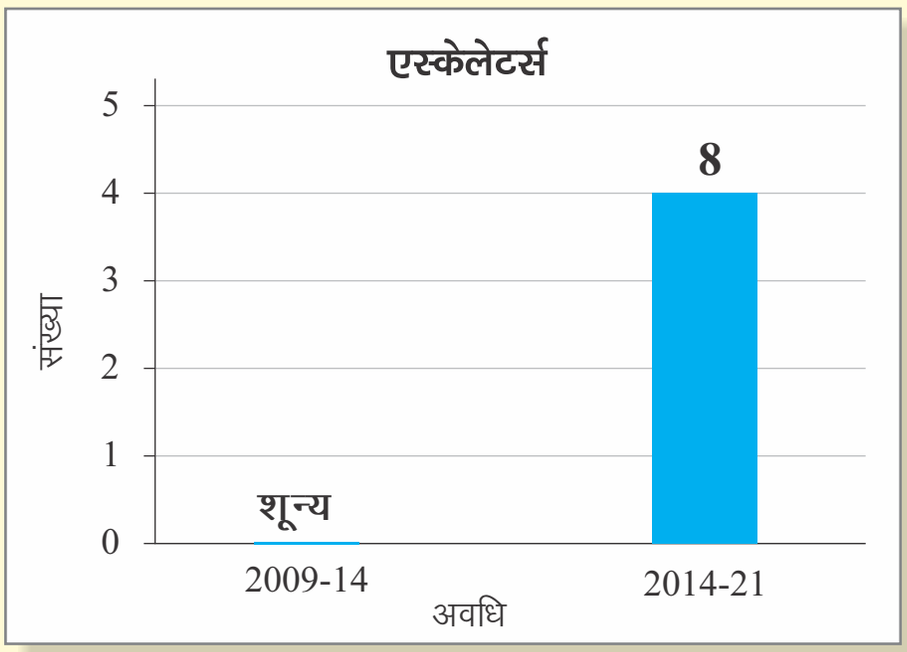


रेलवे सुरक्षा बल के जवान यात्रियों के सामान की जाँच करते हुए

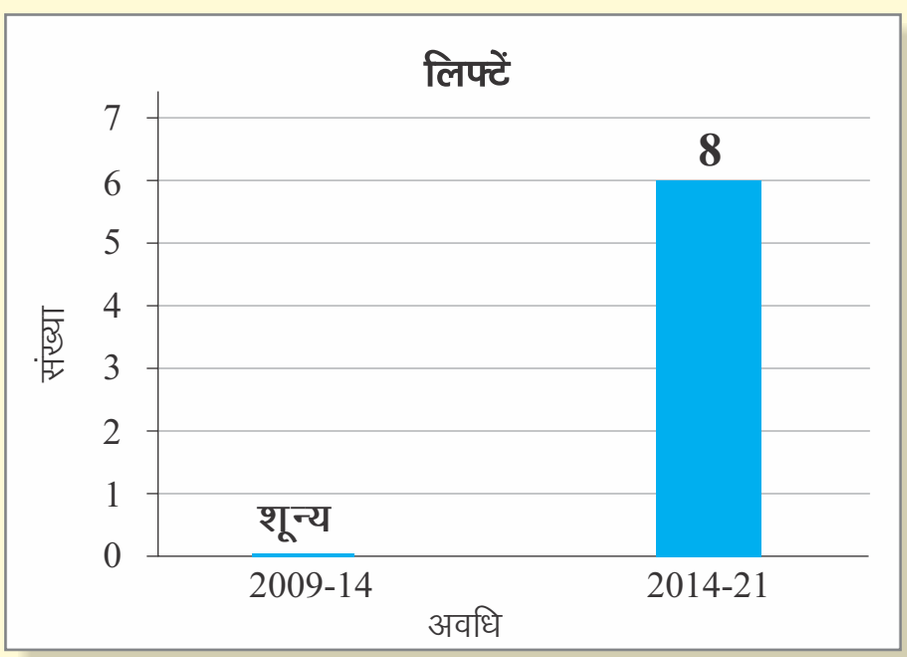
यात्री सुविधाएं

वर्ष 2014–21 के दौरान

- अमृतसर स्टेशन पर 4 एस्केलेटर्स तथा लुधियाना स्टेशन पर भी 4–4 एस्केलेटर्स लगाये गये
- 8 एस्केलेटर्स लगाये गये (अमृतसर तथा लुधियाना स्टेशन पर 4–4)



- 8 लिफ्टें लगाई गई (4 अमृतसर, 2 लुधियाना, जलंधर छावनी तथा ब्यास स्टेशन पर एक–एक)



यात्री सुविधाएं

वर्ष 2014–21 के दौरान



❖ जलंधर सिटी में इलेक्ट्रॉनिक चार्ट डिस्प्ले सिस्टम



❖ ब्यास रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए नये प्लेटफार्म शेल्टर का निर्माण



❖ लुधियाना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड लगाया गया



❖ लुधियाना रेलवे स्टेशन पर नया फुट ओवर ब्रिज (FOB) निर्मित किया गया



❖ फिरोजपुर छावनी रेलवे स्टेशन पर प्रतीक्षालय का नवीनीकरण किया गया



❖ नवांशहर सेक्शन में सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण

यात्री सुविधाएं

- 15 स्टेशनों को आदर्श स्टेशन के रूप में विकसित किया गया
- भुच्चू एंव गिदड़ स्टेशनों पर 3 नये पुल निर्मित किये गये
- 13 नये फुट ओवर ब्रिजों का निर्माण (सुल्तानपुर लोधी–2, कोटकपुरा, फिरोजपुर कैंट, फरीदकोट, मुक्तसर, हीरा नगर, गोनियाना, गंगासरजैतू, लुधियाना, ढंढाँरी कलाँ, फ़ाजिल्का एवं मोगा में एक–एक)
- सरहिंद एवं धूरी रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग–सह–सर्कुलेटिंग एरिया का सुधार
- सरहिन्द, नकोदर एवं अमृतसर रेलवे स्टेशनों पर नया प्लेटफार्म सर्फेस
- कोटकपूरा, फिरोजपुर छावनी, ब्यास, मोरिंडा, कपूरथला ,सुल्तानपुर लोधी (2 Nos), नानकसर, पठानकोट कैंट, अमृतसर, नसराला, फरीदकोट एवं चौकीमन स्टेशनों पर प्लेटफार्म की ऊंचाई में वृद्धि
- अमृतसर, सुल्तानपुर लोधी, फिरोजपुर कैंट और ब्यास स्टेशन के अग्रभाग एवं सर्कुलेटिंग एरिया का सुधार
- श्री गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव हेतु, सुल्तानपुर लोधी स्टेशन पर 2 फुट ओवर ब्रिज, 2 रोड ओवर ब्रिज, 2 हाई लेवल प्लेटफार्म एवं 1 सुविधायुक्त पैसेंजर हॉल का प्रावधान तथा अग्रभाग का नवीनीकरण किया गया



कोटकपूरा में प्लेटफार्म



भारतीय रेल के सबसे स्वच्छ स्टेशनों में से एक व्यास स्टेशन

मालभाड़ा परिचालन

वर्ष 2014–21 के दौरान

- 5 प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल की स्थापना
- 6 साइडिंग की स्थापना



ढंडारी कलां (पंजाब) में
माल लदान टर्मिनल



पंजाब में खाद्यान्न का लदान



पंजाब से भेजी जा रही पार्सल ट्रेन



एफसीआई गोदाम से गेहूं का लदान

डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर प्रोजेक्ट

ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर (ईडीएफसी)



- ❖ लुधियाना (ढंडारी कलां) और हावड़ा (डानकुनि) के बीच ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर (ईडीएफसी) खेत–खलिहानों और उद्योगों को बन्दरगाहों से जोड़ेगा। जोकि पंजाब की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है
- ❖ विद्युत संयंत्रों के लिए कोयला, कच्ची धातु, स्टील, अनाज, सीमेंट, उर्वरक, चूना पत्थर एवं साधारण माल के सुगम आवागमन की सुविधा
- ❖ पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से गुजरते हुए इस रूट की लम्बाई कुल 1,856 कि.मी.
- ❖ इसमें से 88 कि.मी. रूट पंजाब में है, जिनमें 6 स्टेशन : न्यू चावापायल, न्यू खन्ना, न्यू मंडी गोबिन्द गढ़, न्यू सरहिन्द, न्यू सराय बंजारा, न्यू शम्भू, लोडिंग/अनलोडिंग प्वाइंट के रूप में विकसित किये जा रहे है
- ❖ इस मार्ग पर 100 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलने वाली 1.5 कि.मी. लंबाई तक की मालगाडियां चलाने का प्रावधान है
- ❖ दक्ष रेल प्रणाली पर मालभाड़े का परिवहन स्थानांतरित होने से सड़क यातायात पर वाहनों की भीड़ कम होगी
- ❖ एक हरित प्रयास, जिससे ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम किया जा सकेगा

डिजिटल इंडिया

तीव्र एवं मुफ्त वाई–फाई

- डिजिटल इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए अमृतसर, जलंधर शहर एवं लुधियाना स्टेशनों पर मुफ्त वाई–फाई सुविधा उपलब्ध
- पंजाब में 74 स्टेशनों पर वाई–फाई सुविधा उपलब्ध कराई गई



डिजिटल ट्रांजैक्शन

- पंजाब के बड़े स्टेशनों पर 130 प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें लगाई गईं
- टिकट काउंटरों पर BHIM, RuPay, डेबिट कार्ड, ई–वॉलेट आदि के माध्यम से कैशलेस ट्रांजैक्शन की सुविधा



टिकट काउंटर पर कैशलेस ट्रांजैक्शन के लिए प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें

स्वच्छ रेल – स्वच्छ भारत

- प्लेटफार्म, ट्रैक एवं स्टेशन परिसरों को स्वच्छ रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग एवं तैनाती
- उपयुक्त स्थानों पर कूड़ेदान उपलब्ध कराये गये
- स्टेशनों एवं कोच की मशीनीकृत सफाई
- चलती रेलगाड़ियों में ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (OBHS) की सुविधा
- 'क्लीन माई कोच' ऐप का लॉंच
- गंदगी फैलाने पर जुर्माना
- स्वैच्छिक संगठनों एवं एनजीओ के सहयोग से समय–समय पर स्वच्छता अभियानों का आयोजन
- चादरों एवं कम्बलों की मशीनीकृत धुलाई
- समाचारपत्रों में डिस्प्ले विज्ञापन, रेडियो एवं टीवी स्पॉट, पैम्फ्लेट, बैनर, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया गया



अमृतसर में 2 टन की मशीनीकृत लॉन्ड्री

हरित पहल

वर्ष 2014–21 के दौरान

- सौर ऊर्जा का दोहन करने के लिए 436 kWp सोलर मॉड्यूल स्थापित किये गये
- 7 स्टेशनों और 1 सर्विस बिल्डिंग में सोलर पैनल लगाये गये
- पंजाब में सभी 281 स्टेशनों पर ऊर्जा संरक्षण के लिए एलईडी लाइटें लगाई गईं (100%)



बठिण्डा स्टेशन की छत पर सोलर पैनल

कोविड–19 : यात्री केन्द्रित सेवाएं

कोविड–19 के दौरान स्पेशल ट्रेनें

- अमृतसर – नांदेड़ सचखंड एक्सप्रेस
- अमृतसर – बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस
- अमृतसर – मुंबई सेंट्रल गोल्डन टेम्पल मेल
- अमृतसर – जयनगर सरयू यमुना एक्सप्रेस
- अमृतसर – जयनगर शहीद एक्सप्रेस
- अमृतसर – कोलकाता दुर्गियाना एक्सप्रेस
- अमृतसर – न्यू जलपाईगुड़ी कर्मभूमि एक्सप्रेस
- अमृतसर – हरिद्वार जनशताब्दी एक्सप्रेस

श्रमिक स्पेशल

- कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और अन्य लोगों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए 397 श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गई



कोविड–19 : परिसंपत्तियों का अभिनव उपयोग

पीपीई किट, मास्क एवं सैनिटाइज़र का उत्पादन

- स्वास्थ्य कर्मचारियों और फ्रंटलाइन कर्मचारियों के लिए, अमृतसर वर्कशॉप में 1170 कवरऑल बाजार से आधे दाम पर सिले गए
- बड़े पैमाने पर वितरण के लिए अमृतसर वर्कशॉप में 2000 लीटर सैनिटाइज़र का इन–हाउस उत्पादन
- कार्यालयों, शेड और वर्कशॉप में हैंड्स–फ्री वॉशबेसिन और कॉन्टैक्टलेस साबुन/ सैनिटाइजर डिस्पेंसर लगाए गए



आइसोलेशन कोच

कोविड–19 महामारी से निपटने में देश के स्वास्थ्य ढांचे को सहयोग देने के लिए अतिरिक्त क्वारंटीन सेंटर बनाने के लिए अद्वितीय पहल

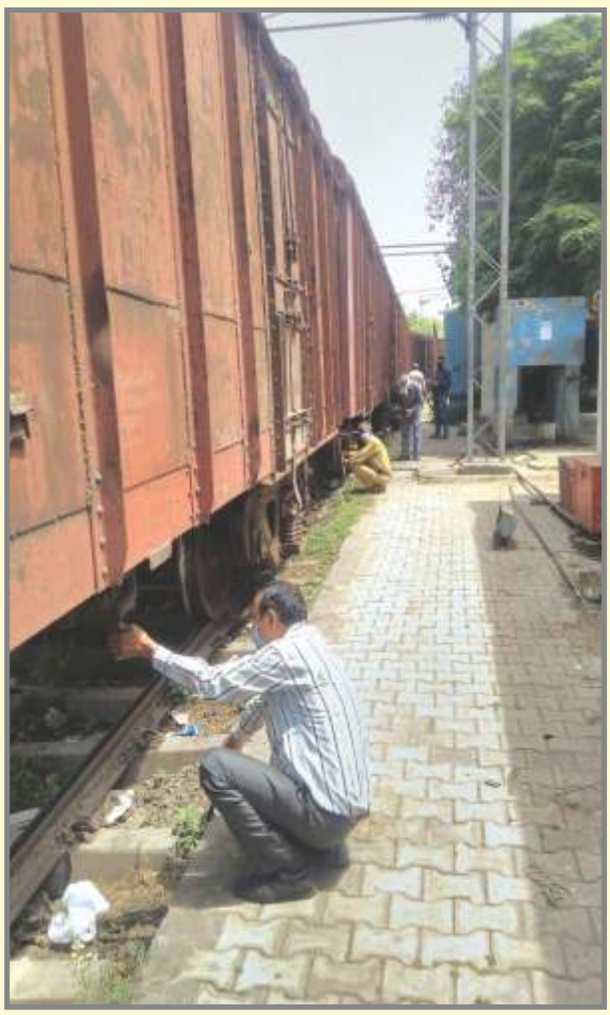
- अर्ध–शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लागत प्रभावी अंतरिम चिकित्सा सुविधा
- एक कोच में 16 मरीज रखे जा सकते हैं
- फिरोजपुर में कोविड केयर सेंटर के रूप में उपयोग के लिए 30 कोच



आइसोलेशन कोच

कोविड–19: मालभाड़ा परिवहन

- पीडीएस राशन की दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न वितरण के लिए 18 राज्यों में 3552 रेकों का संचालन
- लंबी दूरी की जंबो ट्रेन – अन्नपूर्णा, अंबा और अंत्योदय का परिचालन
- आवश्यक सामानों की आपूर्ति के लिए समयबद्ध पार्सल और माल ट्रेनों का संचालन
- रेलवे द्वारा माल के कारोबार को बढ़ाने के लिए मंडल स्तर पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट्स (बीडीयू) स्थापित
- गोनिआणा – जिरिबाम (त्रिपुरा) के बीच पीसमील मालभाड़ा संचालन हेतु पहली बार स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन – 'व्यापार माला' का संचालन







कोविड–19 : आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

लुधियाना में पुराने फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) को हटाना

- नए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के चालू होने के बाद पुराने ढांचे को ध्वस्त किया गया
- परिचालन संरक्षा में सुधार




लुधियाना में एफओबी का विनस्तीकरण

पूर्ण किये गये कार्य तथा गति वृद्धि हेतु सीआरएस की स्वीकृति

- अमृतसर – खेमकरन (60 Kmph से बढ़ा कर 100 Kmph)
- फिरोजपुर – लुधियाना (95 Kmph से बढ़ा कर 110 Kmph)
- फिरोजपुर – जलंधर (95 Kmph से बढ़ा कर 110 Kmph)
- लुधियाना – धूरी (100 Kmph से बढ़ा कर 110 Kmph)

सेक्शन की गति में वृद्धि के लिए किये जा रहे कार्य

नई दिल्ली – अंबाला – लुधियाना सेक्शन

- सेक्शन में गति को बढ़ाकर 130 Kmph तक किये जाने हेतु अनुमोदन मिला
- 25 क्रॉस ओवरों को सुधारा
- फैंसिंग के लिए 46 स्थानों की पहचान



सेक्शन पर रेलगाड़ियों की गति में वृद्धि

श्री गुरूनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के अवसर पर सुल्तानपुर लोधी स्टेशन पर विकास कार्य

ढाँचागत विकास

- फुटओवर ब्रिज का प्रावधान
- प्लेटफार्म नं. 1 पर शेल्टर तथा प्लेटफार्म 2 का सुधार
- 2 सीमित ऊँचाई वाले सबवे का निर्माण तथा प्लेटफार्म की ऊँचाई में वृद्धि
- सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन बिल्डिंग का सुधार
- यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा
- स्टील बैंच, टॉयलेट ब्लॉक्स तथा वाटर बूथ जैसी यात्री सुविधायें
- सीसीटीवी, वीडियो डिस्पले, कैमरा तथा संचार सुविधायें
- विभिन्न सुविधाओं के लिए 8 पगोड़ों की व्यवस्था
- प्लेटफार्म नं. 1 के पास पैंसेंजर होल्डिंग एरिया में 60 शौचालय सुविधाओं के साथ 1500 अस्थायी शैडों की व्यवस्था
- सूचना पट्ट, हैरिटेज प्रवेश और निकास द्वार का प्रावधान







सुल्तानपुर लोधी रेलवे स्टेशन


भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS
सत्यमेव जयते
वंदे भारत
EXPRESS
ICF